भारत में धर्मनिरपेक्षता का प्रभाव
Impact of Secularism in India

1. विश्व व समाज (World and Society) के प्रति लोगों का धार्मिक दृष्टिकोण कमजोर
2. धर्म आधारित मान्यताएँ एवं अंधविश्वास कमजोर
3. जाति व्यवस्था का कर्मकांडीय पक्ष (Ritualistic Aspect of Caste System) कमजोर
4. विवाह का धार्मिक पक्ष व संस्कारगत पक्ष (Religious and Cultural Aspects of Marriage) कमजोर
5. धर्म द्वारा पोषित परंपरागत सामाजिक असमानताएँ (Traditional Social Inequalities) कमजोर
6. निम्न जाति व महिलाओं की प्रस्थिति (Status) में सुधार

भारत में धर्मनिरपेक्षता की चुनौतियाँ
Challenges of Secularism in India

1. धर्मनिरपेक्षता की निश्चित एवं सार्वभौमिक परिभाषा का अभाव
2. राजनीतिक दलों द्वारा अपने-अपने अनुसार धर्मनिरपेक्षता का त्रुटिपूर्ण विश्लेषण
3. धार्मिक पुनःप्रवर्तनवाद, धार्मिक कट्टरतावाद व सांप्रदायिकता में वृद्धि
4. विभिन्न धार्मिक समूहों, व्यक्तियों एवं राजनीतिक दलों की धर्मनिरपेक्षता विरोधी गतिविधियाँ
5. भारतीय समाज के लोगों में अपने धर्म व परंपरा से चिपके रहने की मनोवृत्ति
6. अल्पसंख्यक समुदाय में गरीबी, बेरोजगारी एवं असुरक्षा की भावना

भारत में धर्मनिरपेक्षता को सफल बनाने हेतु सुझाव
Suggestions to make Secularism Successful in India

1. धर्मनिरपेक्षता के अर्थ व संदर्भ को स्पष्ट किया जाए।
2. धर्मनिरपेक्षता को विचारधारा (Ideology) के स्तर पर मजबूत बनाया जाए।

3. आधुनिक शिक्षा व वैज्ञानिक दृष्टिकोण (Modern Education and Scientific Approach) का प्रचार-प्रसार किया जाए व इस दिशा में Media, NGO एवं Youth की भूमिका को मजबूत बनाया जाए।

4. समानुपातिक विकास व सामाजिक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त किया जाए।

5. सांप्रदायिक धार्मिक संस्था, राजनीतिक दल एवं व्यक्तियों के ऊपर कठोर प्रतिबंध लगाया जाए।

6. धार्मिक प्रचार के अधिकार को सीमित किया जाए।

- भारत में धर्मनिरपेक्षता की संकल्पना एवं प्रकृति पर टिप्पणी कीजिए।
- धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। भारत में इसे किस रूप में स्वीकार किया गया है?
- भारत में धर्मनिरपेक्षता / धर्मनिरपेक्षीकरण की प्रक्रिया के सामाजिक प्रभावों की चर्चा कीजिए।

- भारत में धर्मनिरपेक्षता की समकालीन चुनौतियों को स्पष्ट कीजिए और धर्मनिरपेक्षता की प्रक्रिया को तीव्र करने हेतु सुझाव दीजिए।
- "भारत में धर्मनिरपेक्षता एक कमजोर विचारधारा है।" चर्चा कीजिए।

- भारत में धर्मनिरपेक्षता के सूचकों (Indicators) का वर्णन कीजिए। हाल के वर्षों में राजनीतिक दलों की कुछ एक गतिविधियों को संदर्भित करते हुए बतायें कि क्या भारत में इन सुचकों के अनुसार कार्य हो रहा है?

- क्या भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है? हाल में भारत में हुए धर्मनिरपेक्षता विरोधी गतिविधियों के संदर्भ में अपना उत्तर दीजिए।
- वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने भारत में धर्मनिरपेक्षता को एक साथ मजबूत एवं कमजोर दोनों किया है। स्पष्ट कीजिए।

- क्या सहिष्णुता, सम्मिलन एवं बहुलता मुख्य तत्व हैं जो धर्मनिरपेक्षता के भारतीय रूप का निर्माण करते हैं? तर्कसंगत उत्तरर दें।
(250 शब्दों में उत्तर दें) UPSC – 2022

Are tolerance, assimilation and pluralism the key elements in the making of an Indian form of secularism? Justify your answer. (Answer in 250 words) UPSC - 2022

- धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हमारी सांस्कृतिक प्रथाओं के सामने क्या-क्या चुनौतियाँ हैं?
(150 शब्दों में उत्तर दें) UPSC – 2019

What are the challenges to our cultural practices in the name of secularism (150 words) UPSC - 2019

- धर्मनिरपेक्षतावाद की भारतीय संकल्पना, धर्मनिरपेक्षतावाद के पाश्चात्य मॉडल से किन-किन बातों में भिन्न है? चर्चा कीजिए।
(150 शब्दों में उत्तर दें) UPSC – 2018

How the Indian concept of secularism is different from the western model of secularism? Discuss. (Answer in 150 words) UPSC - 2018

- स्वतंत्र भारत में धार्मिकता किस प्रकार साम्प्रदायिकता में रूपांतरित हो गयी, इसका एक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए धार्मिकता एवं साम्प्रदायिकता के मध्य विभेदन कीजिए।
(250 शब्दों में उत्तर दें) UPSC - 2017

Distinguish between religiousness/ religiosity and communalism giving one example of how the former has got transformed into the latter in independent India. (Answer in 250 words) UPSC - 2017

- धर्मनिरपेक्षता पर भारतीय वाद-विवाद, पश्चिम में वाद-विवादों से किस प्रकार भिन्न हैं?
(200 शब्दों में उत्तर दें) UPSC – 2014

How do the Indian debates on secularism differ from the debates in the West? (Answer in 200 words) UPSC - 2014

- 'धर्म तथा नृजातीय हिंसा की राजनीति मूलतः धर्मनिरपेक्षवाद तथा धर्मनिरपेक्षीकरण की राजनीति है।' कथन का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। UP PSC – 2019

'The politics of religion and ethnic violence is basically the politics of secularism and secularisation.' Critically analyse the statement. UP PSC - 2019

- धर्मनिरपेक्षतावाद की भारतीय संकल्पना, धर्मनिरपेक्षतावाद के पाश्चात्य मॉडल से किन-किन बातों में भिन्न है? चर्चा कीजिए।
UP PSC – 2018

How the Indian concept of secularism is different from the western model of secularism? Discuss. UP PSC - 2018

- "धर्मनिरपेक्षतावाद अभिमुखन व व्यवहार के एक समुच्चय के रूप में उदारवादी लोकतान्त्रिक भारत के भविष्य के लिए अपरिहार्य है" विवेचना कीजिए। UP PSC – 2018

"Secularism as an orientation and a set of practices is indispensable to India's future as a liberal democracy." Discuss. UP PSC - 2018